बाधाओं से हताश न हों, सफलता पर ध्यान केंद्रित करें : सत्यरूप सिद्धांत

- पर्वतारोही सत्यरूप 31 मार्च से शुरू करेंगे नॉर्थ पोल की चढ़ाई
- आइआइएम के फ्लैग ऑफ समारोह में साझा किया अनुभव

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सपने देखकर चुप न रहें, उसे पूरा करने का जुनून रखें. इस क्रम में असफल हो सकते हैं, पर इससे सफल होने की सीख मिलेगी. इन्हें अपनाते हुए आगे बढ़ने पर बाधाएं भी आयेंगी. लेकिन, इनसे हताश न होकर अपना ध्यान केवल सफलता पर केंद्रित रखना होगा. उक्त बातें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर पर्वतारोही सत्यरूप सिद्धांत ने कही. वे रविवार को आइआइएम रांची में आयोजित 'नॉर्थ पोल एक्सपेडिशन' फ्लैग ऑफ में बतौर अतिथि वक्ता पहुंचे थे.

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने सत्यरूप को एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम के तहत 'नॉर्थ पोल एक्सपेडिशन' के लिए फ्लैग ऑफ किया. सत्यरूप ने बताया कि यह एक्सपेडिशन तीन वर्ष बाद 31 मार्च को शुरू होगा. इससे पहले नॉर्थ पोल एक्सपेड़िशन 2019 में शुरू करने की ठानी. एक माह तक रुकने के बाद भी मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए इसे छोड़ना पड़ा. इसके बाद कोविड-19, यूक्रेन-रसिया युद्ध के कारण यह संभव नहीं हो सका. इस बार पूरी तैयारी के साथ विभिन्न देशों के पर्वतारोही एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे. इसके लिए कई माह से प्रशिक्षण ले रहा हूं. प्रो दीपक ने कहा कि बी-स्कूल के विद्यार्थियों को कुछ भी असंभव नहीं की सीख दी जाती है. ताकि, भविष्य की चुनौतियों को पार कर बेहतर कल का निर्माण हो सके. शैक्षणिक संस्थानों में कॉस्मोपॉलिटन कल्चर को बढ़ावा देने की जरूरत है. इससे विभिन्न क्षेत्र में विद्यार्थी पारंगत हो सकेंगे. वहीं, आइडिएट इंस्पायर इग्नाइट फाउंडेशन के निदेशक सह टेडएक्स कांके के क्यूरेटर राजीव गुप्ता ने विद्यार्थियों को खुद को सिद्ध करने के लिए एटीच्यूड, एक्शन और परफॉर्मेंस के साथ सफलता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. मौके पर आइआइएम रांची के निदेशक स्टूडेंट अफेयर्स मनीष कुमार, प्रो अमरेंदु नंदी, कनिष्क पोद्दार, नंदलाल नायक आदि थे.

Prabhat Khabar_20.03.2023_Pg. 06